सोमवार से अरावली के 20 जिलों में अवैध खनन के खिलाफ संयुक्त अभियान- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने अरावली के प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखने के सख्त निर्देश दिए

जयपुर, 27 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के 20 जिलों में अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के खिलाफ सोमवार 29 दिसंबर से 15 जनवरी, 2026 तक अरावली पर्वतमाला के 20 जिलों में संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। अभियान का संचालन खान, राजस्व, पुलिस, परिवहन और वन विभाग द्वारा संयुक्त रुप से किया जाएगा। अभियान का संचालन जिला कलक्टर के समन्वय से किया जाएगा।

शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित वन एवं पर्यावरण और खान विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अरावली क्षेत्र में किसी भी प्रकार के नए खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस संबंध में केन्द्र सरकार की ओर से भी निर्देश जारी किए गए हैं। ये निर्देश पूरे अरावली भू-भाग पर समान रूप से लागू होंगे। इससे पर्वत श्रृंखला के प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखा जा सकेगा और अनियमित व अवैध खनन पर प्रभावी रूप से रोक लग सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने खनन लीज जारी करने में सुप्रीम कोर्ट और सीईसी द्वारा समय-समय पर जारी की गई गाइडलाइंस के साथ ही सभी पर्यावरण सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला को हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपये की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई गई है। परियोजना के तहत अरावली जिलों के 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण करवाया जा रहा है। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय, वन एवं पर्यावरण तथा खान विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को वन एवं पर्यावरण और खान विभाग की समीक्षा बैठक ली।

- **वन/पर्यावरण व खान विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि अरावली पर्वतमाला को हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रूपए की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई गई है।**

अभियान की नियमित मोनेटरिंग खान मुख्यालय उदयपुर व प्रमुख सचिव माइंस के स्तर पर की जाएगी। अधिकारियों की जबावदेही तय करने के साथ ही किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अभियान के दौरान की गई कार्यवाही को मीडिया के माध्यम से प्रसारित करने के भी निर्देश दिए गए ताकि अवैध खनन गतिविधि करने वालों पर सरकार की सख्ती का संदेश जा सकें।

दिल्ली में एक रात में 285 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। दिल्ली में बड़ा एक्शन हुआ है। इससे अराधियों में खलबली मच गई है। नए साल से पहले दिल्ली पुलिस ने अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए बड़ी धड़-पकड़ की है। पुलिस के साउथ-ईस्ट जिले ने अपराध पर कड़ी कार्रवाई करते हुए 'ऑपरेशन आघात 3.0' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इस अभियान के तहत, एक ही रात में विभिन्न आपराधिक मामलों से जुड़े 285 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध सामग्री बरामद की है। कुल 21 कंट्री मेड पिस्टल, 20 जिंदा कारतूस और 27 चाकू जब्त किए गए, जो हथियारों की अवैध तस्करी और उपयोग को रोकने में मददगार साबित होंगे। इसके अलावा, नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्ती दिखाते हुए 6.01 किलोग्राम गांजा और 12,258 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की गई।

बांग्लादेश में हिंदू, कसाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं, जैसे उम्मीदवारों और मतदाताओं की सुरक्षा, वो देश में पूरी तरह से गायब हैं। हालात को और जटिल बनाते हुए, निर्वासन में रह रहे बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) के नेता तहरीक रहमान की वापसी ने हिंदू समुदाय के डर को और बढ़ा दिया है।

बेगम खालिदा रहमान के नेतृत्व में बीएनपी बांग्लादेश की सबसे कट्टर इस्लामी राजनीतिक पार्टियों में से एक रही है। इस पार्टी ने हिंदुओं को देश से उखाड़ फेंकने की नीतियों की वकालत की थी और खुले तौर पर उनसे देश छोड़ने को कहा था। अब उनका बेटा, जो सत्रह साल से अधिक समय तक लंदन में रह रहा था, वापस आ गया है और आशंका है कि वह भी अपनी मां की तरह हिंदुओं के खिलाफ नफरत और उत्पीड़न का वही रास्ता अपनाएगा। भारत से लगी सीमाएं बंद होने के कारण देश में फंसे अल्पसंख्यक हिंदू खुद को मानो कसाईखाने में कैद महसूस कर रहे हैं। करीब ढाई करोड़ हिंदुओं का पूरा समुदाय हर पल डर में जी रहा है कि कभी भी डराने-धमकाने या भीड़ द्वारा हत्या की घटना हो सकती है।

हाल ही में लगातार दो हिंदुओं की नृशंस हत्या ने पूरे देश में भय और असुरक्षा का माहौल बना दिया है। अब तो दिनदहाड़े सिर्फ हिंदू होने की पहचान के कारण भी किसी की हत्या हो सकती है और प्रशासन की ओर से कोई सुरक्षा नहीं मिलती। जमीनी स्तर पर सांप्रदायिकता इतनी बढ़ गई है कि बांग्लादेश में किसी हिंदू की हत्या अब जैसे कोई अपराध ही नहीं रह गई है। यह खतरा पूरे समुदाय के लिए रोजमर्रा की सच्चाई बन गया है। नई हिंदू पार्टी भारत से आग्रह कर रही है कि वह सीमाएं बंद रखने के बजाय उन्हें खोले। इसका मतलब यह नहीं है कि बांग्लादेश से हिंदुओं का बड़े पैमाने पर पलायन हो जाएगा, लेकिन खुली सीमा से कम से कम यह विकल्प बना रहेगा कि वे जरूरत पड़ने पर निकल सकें, और इससे कट्टरपंथी तत्वों पर भी मनोवैज्ञानिक दबाव पड़ेगा।

बड़े पैमाने पर किसी भी पलायन से भारत की ओर से प्रतिक्रिया होगी और यह सांप्रदायिक तत्वों के लिए एक तरह का चेतावनी संकेत बनेगा।

इसी बीच, देश की समग्र स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है और आम लोगों की हालत भी खराब होती जा रही है। पिछले साल सत्ता परिवर्तन के बाद से अर्थव्यवस्था को झटका लगा है और अब हालात और भी बिगड़ चुके हैं।

जब आम जनता की हालत बद से बदतर होती जा रही है, तो अल्पसंख्यकों की स्थिति उससे भी ज्यादा दयनीय है। उनमें से अधिकतर किसी तरह बस गुजारा कर रहे हैं। भारत को अपना रुख बदलना चाहिए और बड़े पैमाने पर हत्याओं से उन्हें बचाने के लिए सक्रिय हस्तक्षेप करना चाहिए।

दिग्विजय सिंह आखिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलोकतांत्रिक" कांग्रेस नेतृत्व का पर्दाफाश कर दिया है।

केशवन ने एक्स पर की गई एक टिप्पणी में कहा, "क्या राहुल गांधी साहस दिखाएंगे और दिग्विजय सिंह के ट्वीट द्वारा छोड़े गए "सत्य बम" पर प्रतिक्रिया देंगे, जिसने पूरी तरह से यह उजागर किया है कि कांग्रेस का प्रथम परिवार पार्टी को तानाशाही तरीके से कैसे चलाता है और यह कांग्रेस नेतृत्व कितना तानाशाह और अलोकतांत्रिक है?"

दिग्विजय सिंह के पोस्ट में कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल्स, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को भी टैग किया गया था, जिसे हाई कमान को उनके (सिंह के) संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

एक हफ्ते पहले, उन्होंने कांग्रेस में सुधार की बात की थी और राहुल गांधी से इसे देखने की अपील की थी। उन्होंने 19 दिसम्बर को कहा था कि पार्टी को और ज्यादा "व्यावहारिक एवं विकेन्द्रीकृत कार्यप्रणाली" की आवश्यकता है। लेकिन यह अफसोस भी जताया था कि राहुल गांधी को "इसके लिये राजी करना आसान नहीं" है।

पोस्ट में लिखा गया, "राहुल गांधी जी, आप सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर पूरी तरह "सही" हैं। पूरे नम्बर। लेकिन अब कृपया कांग्रेस पार्टी पर भी ध्यान दें। जैसे ईसीआई एसवीईईपी (इलैक्शन कमीशन ऑफ इंडिया का मतदाता जागरुकता एवं शिक्षा कार्यक्रम) को सुधारों की आवश्यकता है, वैसे ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को भी। आपने 'संगठन निर्माण' से शुरुआत की है, लेकिन हमें अधिक व्यावहारिक विकेंद्रीकृत कार्यप्रणाली की आवश्यकता है। मुझे यकीन है कि आप इसे करेंगे, क्योंकि मुझे पता है कि आप यह कर सकते हैं। एकमात्र समस्या यह है कि आपको "तैयार करना" आसान नहीं है।

भाजपा ने उनके बयानों को लेकर गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के नेता देशभर में लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन सभी जानते हैं कि कांग्रेस के अंदर कितना लोकतंत्र है।

सिंह के ये पोस्ट ऐसे समय में आए हैं, जब राज्य की राजनीति में मुश्किलें बढ़ रही हैं। उनका दूसरा राज्यसभा कार्यकाल अगले साल की शुरुआत में खत्म हो रहा है, और तीसरे कार्यकाल की संभावना कम दिखती है। कमल नाथ और मीनाक्षी नटराजन पहले ही राज्यसभा के लिए कतार में हैं और उनकी सीट के लिए प्रमुख दावेदार हो सकते हैं। इसके अलावा, मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानमंडल दल के नेता उमंग सिंघार को भी "दिग्विजय विरोधी" नेता माना जाता है।

लीपा-पोती कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(गांधी परिवार) की कांग्रेस को तानाशाही तरीके से चलाने के लिए आलोचना की। भाजपा के एक प्रवक्ता ने सिंह के पोस्ट को "सत्य बम" के रूप में वर्णित किया। दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 1990 के दशक के एक ब्लैक एण्ड वाइट फोटो का स्क्रीनशॉट साझा किया, जो गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ली गई थी। इस तस्वीर में भाजपा के दिग्गज नेता एल.के. आडवाणी कुर्सी पर बैठे दिख रहे हैं, जबकि युवा नरेन्द्र मोदी उनके पास फर्श पर बैठे नज़र आ रहे हैं। अपने पोस्ट में, सिंह ने बताया कि कैसे संघ के पारिस्थितिकी तंत्र में ग्रास रूट कार्यकर्ता रैंक में ऊपर उठते हैं और मुख्यमंत्री, यहां तक कि प्रधानमंत्री भी बन सकते हैं। सिंह के पोस्ट का राजनीतिक संदेश स्पष्ट है, क्योंकि यह उनके राहुल गांधी को लिखे पोस्ट के बाद आया है, जिसमें उन्होंने राहुल की सामाजिक-आर्थिक स्थिति की समझ की सराहना की थी, लेकिन पार्टी संगठन को विकेन्द्रीयकृत निर्णय लेने के जरिए मजबूत करने की अपील की थी। सिंह ने उस संदेश में स्वीकार किया था कि राहुल को मनाना "आसान नहीं है।" यह बयान पार्टी के अंदर असहजता का कारण बना था।

शरद पवार शिवसेना-मनसे गठबंधन में शामिल

मुंबई, 27 दिसंबर। महाराष्ट्र में तेजी से बदलते घटनाक्रम के मद्देनजर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने घोषणा की कि शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव लड़ने को उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना-महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) गठबंधन में शामिल हो गई है।

यह घटनाक्रम तब हुआ, जब शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के नेता जयंत पाटिल ने शुक्रवार को बांद्रा पूर्व में मातोश्री आवास पर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात की और पुणे में अजित पवार और शरद पवार के बीच गठबंधन की सारी संभावनाएं खत्म हो गईं।

गुरुवार को कांग्रेस पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मीडियाकर्मियों को बताया था कि बीएमसी सहित, नगर निगमों के आगामी चुनाव लड़ने के लिए प्रकाश अम्बेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ गठबंधन के लिए बातचीत शुरू हो गई है।

बीएमसी चुनाव में शरद पवार से गठबंधन करने के बाबत राउत ने कहा, " शरद पवार एक वरिष्ठ नेता हैं। हम सभी महसूस करते हैं कि उन्हें हमारे साथ होना चाहिए। हम सभी चाहते थे कि उनके जैसा वरिष्ठ नेता उनकी पार्टी गठबंधन में हो।

दिग्विजय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अकेले हैं? क्या पार्टी में अन्य नेता भी वही महसूस कर रहे हैं जो दिग्विजय सिंह ने कहा?

और सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर क्यों दिग्विजय सिंह की बातों को सबने चुप होकर सुना, बिना किसी जवाब और पलटवार के?

राहुल गांधी के कट्टर समर्थक क्यों चुप थे?

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शीर्ष अदालत का यह दखल अरावली पहाड़ियों की बदली हुई परिभाषा के कारण हुए सार्वजनिक विरोध और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बाद आया है। यह क्षेत्र अपने इकॉलॉजिकल महत्व और रेगिस्तान बनने से रोकने और भूजल स्तर को बनाए रखने में अपनी भूमिका के लिए जाना जाता है। पर्यावरण विशेषज्ञ और सिविल सोसाइटी संगठनों ने चिंता जताई है कि परिभाषा में बदलाव पहले से संरक्षित क्षेत्रों में माइनिंग और निर्माण गतिविधियों को कानूनी मान्यता मिल सकती है।

असम में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामने आए, जिनमें जनसांख्यिकीय समानता पाई गई और उन्हें सुधार के लिए चिन्हित किया गया। आयोग के मुताबिक, यह पूरी प्रक्रिया घर-घर जाकर सत्यापन के जरिए की गई।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908